

नमः॥ न

लक्ष्मि या नमः

ॐ नमः ॥ श्री ३ ग ल य न
नमः ॥ नमः श्री ३ र्षि काय नमः ॥

संक्रिया रूप

ॐ नमश्च विष्णवे नमः ॥ न तो
नि या च न वि वि वि व न ॥ न्यासियो ॥ ज्ञां ज्ञास
न लाय सा हां ॐ ज्ञां वी या न लाय सा हा ॥ ॐ न्नि
व न लाय सा हा ॥ ॥ न्यास ॥ गंग नय न नम ॥

ॐ गुरुवे नमः ॥ हस क्रम हवनयः सह क्रम हवन
यीः श्री २२ सुद व न य नमः हन प्रसा य रु न
ज्ञां १६ ज्ञां ६४ ज्ञां ३२ ॥ ६४ प्रसा रु न ॥ ज्ञां १६
शुभा ला नमः ज्ञां न र्नी ला नमः ६४ म ध म
ना नमः ६४ नामी का ला नमः ज्ञां के नि छा

सां नमः ॥ कनकनय सां नमः ॥ ऊँ हृदया
य नमः ॥ ऊँ निरस स्वाहा ॥ ऊँ निस्वाय वषट् ॥
ऊँ कवचाय दूः ॥ ऊँ नग्नयाय वीषट् ॥ ऊँ भ
माय रुट् ॥ ॐ ध्यायन् यत्ना ॥ ऊँ हृदयाय
नमः ॥ ऊँ निरस स्वाहा ॥ ऊँ निस्वाय वषट् ॥

ऊँ कवचाय दूः ॥ ऊँ नग्नयाय वीषट् ॥ ऊँ भूमा
यरुट् ॥ वंदनञ्च कृपूष्य नमः ॥ ८५ नमदा ॥ ऊँ न्या
नं वनदवं सामग्रीं ॥ ॥ ॥ मृने हाय च गननीयः
स्वानं कृय ॥ ॥ ग्याऊं ति ३ ॥ ॥ ऊँ ऊँ स हृयाय नमः
॥ व निवीय ॥ ॥ ऊय ॥ ॥ ऊँ ऊँ स ॥ ॥ नानायन ॥

गुणांजनी ३॥ ॐ क्रौंसं नमो नानाय नमो विष्णवे
न नमः॥ वलिवीर्य॥ जय॥ ॐ क्रौंसं॥ ॥ गिरिवृत्त्या
ऊर्तिं ३॥ ॐ क्रौंसं दानि वाय नमः॥ वनी विद्या जय
॥ ॐ क्रौंसं॥ मनुत्तया दवत्तान नमः॥ रुवा कसमसं
कासं॥ कासपीर्य महाशूनिं॥ नमो त्रिंशत्तया यः

घृप नमामि दिवा कर्त॥ यस्य हस्त गदा दकुग
त्रुदा यस्य वाहनं समकन बुकल्यानं यद्यना
लो रुनादनं॥ नमः॥ निवाय साकाय काय नमः
यहोतवः निवदया सिवात्मानं त्वं गति यन
मम नमः॥ कनदा वरुणाय॥ मनुत्तसदादः
ह्यानक्य॥ दवयाथ न्यास याया॥ नास्ति

ॐ

१ नमः श्रीकृष्णकार्य ॥ नासिय ॥ वरुः
स्नानः कः नन्दः जयासगयावः सूर्योद्यः
यायः ॐ काँ काँ स श्रीसूर्याय ज्ञेय नमः
यथा नमः ॥ मञ्जुलयायः कस्नानगया ३
॥ जय मञ्जुलकावः यायतन नवना

चनः नयददसिदं ननली श्रीगुल्लनम
कनकावरायः स्नानकय ॥ ॥ ॐ यथास
नयपादकां पुरुयामिः वनिस ॥ ॥ ॐ
यातासनाय पादकां पुरुयामिः यातासनाय
ॐ कम्मासनाय पादकां पुरुयामिः ॥ ॥ ॐ

उत्तरवदकननः॥ ईश्वरं स्वाहा॥ न च ल
कृतं कृतमचल ईश्वरं स्वाहा॥ गीस॥
गमं गरापननम॥ गंगुवनम॥ ईन
मणीचलीकार्यनम॥ हल आगहन

अठाकृसतीय॥ गी॥ नेपातीय॥ नै॥
स्वअनिय॥ यै॥ ककुमादुत॥ कार्य
राज्यादी॥ का दयादि॥ गीस॥ अलया
पूजा॥ का दयायी पूजा चन्दनाङ्ग
वृषनमा॥ अन्मदोदय॥ ॥ पा

पुत्र॥ श्री कृ न मूदा ॥ सह कु मल वन
गी ड न द या ग य पा द व रं पु ड म मि
सां द या दी ॥ आ नी मूदा ॥ र न शु द
क क य मूदा ॥ रं डी श्री डा र्डी ॥ को
कु श्री को रं ॥ न ड न र्की र्की ॥ रं रं रं ॥

दी ड न ॥ श्री सी द ॥ श्री र्मा ॥ श्री र्प ॥ भा
सन पन काय ॥ अ र्थ य ड ॥ यि न्द यिय
प रं यनी ॥ वी व नु क नी था य व नी ग ड २
र्या सि ॥ जी ड न या ग य व नी ग ड २
र्या हा ॥ र्या था नी नी र्या व नी ग ड २
र्या हा

ॐ सिद्धिं वामं ॐ यै वृत्तां गृह्णन्त्यादाः
गमं गमनं पतनं वनी गृह्णन्त्यादाः ॥
विन्दु विद्या ॥ ॥ अतः वरुणा वरुणं अर्चय
ॐ नारायणाय नमः ॥ यत्री ॥ नारा
यणाय नमः ॥ अतः नारायणाय नमः ॥

वर्ति गृह्णन्त्यादाः ॥ ॥ नमः नारायणाय
नमः ॥ यावद्दुःखनाथाय नमः ॥ वनी
गृह्णन्त्यादाः ॥ नमः नारायणाय नमः ॥ गमं
नमः नारायणाय नमः ॥ वनी गृह्णन्त्यादाः ॥ वीर
विद्या ॥ ॥ पद्मा नारायणाय नमः ॥

स वा सनाय पाद कां यदुपा मि ॥ ध्यान ॥ य
द्वा गन रा वलं य द भव कृ मि सा य न ॥
य र्ध य म द्वा दी य न ॥ स य न क न सी य तं ॥ स्व
व लु य र्ध व र्ध नु द क्रि तं कृ ष्ट ॥ भ रि तं ॥
उ क्त य पी न व लु य र्ध नु द क्रि तं कृ ष्ट ॥ भ रि तं ॥

न का स्या द क्रि तं धूम ॥ धन मू न न म य द ॥
न द्वा दं पी न व लु य र्ध नु द क्रि तं कृ ष्ट ॥ भ रि तं ॥
न कृ मू न न मि यो द ॥ न द्वा दं ॥ भ रि तं ॥ म य द ॥
वै द न लं द ॥ द व ॥ क व ॥ आ सा न ॥ ह रि तं ॥
र य द ॥ रु न ध नं द व ॥ त्रि षु नं मं क न न

धा. नृ एक म... दम...
 वच. वा...
 सू. भ...
 हय...
 नका...

मास न सूर्यसं स्निग्धं यन्मयं न वा
 लानर्न भुलं सुलभं भुनं । ध्याय
 न नय कात्मा । किं सौ ~~वि~~ निमोन
 या ॥ ध्यानं पूषा पादकायं दयामि ॥
 ॥ सन्नानर्यं द्रयूष ॥ श्री कृति ॥ न ई

स ह आनन्दः किं नवानन्दविनाधि
यय सु ह श्रीमहाविद्यानां कुम्भे नीले
वाला गुरुसंमुखरुदरकायः
वृषया य ॥ ३ ॥ वनी गुरुकार
ननी श्रीकमपूजा ॥ न्यास ॥ आसन ॥

गुरुकिसनासनाय य ॥ य ॥
सनाय पाय ॥ वक्रिप्रनासनाय य ॥
वृषासनाय पाय ॥ सिद्धासनाय य ॥
ले ॥ श्री ॥ श्री ॥ श्री ॥ श्री ॥ श्री ॥
किं नवानन्दविनाधीयनय ॥
श्री श्रीमहाविद्यानां कुम्भे नीले श्रीकमपूजा



ॐ का का का का का का का का
का का का का का का का का
का का का का का का का का
का का का का का का का का

१ मम य वि नै अ दि ल म ना म वि ह द
वि नै अ दि व क र नी ह र य वि नै अ
२ ग म म न स न न य वि नै अ दि

१ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ न्यास ॥ ७ ॥ वन ॥
 यं श्रुत्वा तास्तनापय ॥ वृक्षासना हिम
 सिंहासमपययात् ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ विनाशो यथ ॥ स ॥ १ ॥ म ॥ द ॥ वि

ध्यानां कृष्णं श्री मूलरूपान्निव
 न किं ह्येनकायं ग्रंथनीयं
 नायाय ॥ वनोत्तमखात्ता ॥

१०॥ भगिनिपुनसंन्यनी यडा ॥ न्यास ॥
ॐ कदयासुनम ॥ किं निनस
स्यास ॥ स नीखायवोषरु ॥ सि
कववायक किं न प्रयायवोषरु
न कलायरु ॥ न सा जायान

न्यास ॥

भक्ति कमनासनाय पायु ॐ पंच
पनासनाय पायु ॥ ॥ ॐ कीं सीं
कीं सीं वक्रवक्र डी या न पि
डी डी डी डी यया न भि
के श्री विप्लवसुदनी दुवी धवकस

न्यास ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

१ नमो नमो ॐ यद्वा ॥ वां दृष्टया
य नमो ॥ ॥ यत्ता सानायया ॥
ॐ नमो श्री सिद्धि जो मूलाय
वायू ॥ ३ ॥ वज्रिं २८ क्र ३ म्हा स्ता ॥

१ नमो श्री तिष्ठता सनत्का उविरुयहन
॥ ॥ ॥ नमो मन्त्रमूर्ति ॥ चली चली स
नाथ ॥ यद्वा नरु निरु ॥ ता कया ला
रुपी न्या ॥ यद्वा नका सिद्धे ॥ यद्वा ॥ यद्वा
यानसहिता ॥ मातन ॥ ॥ यद्वा ला ॥ यद्वा

गिन्याया गयुक्ता स्तुतुं जनस्वतन्त्रा
४ या नृमतेन। त्रिवस्तु। त्रिवस्तु देवता
४ सर्वे स नृदाशु विनायका ४। या गि
नी देवता लाशु समददददा वस्ति
ता ४। अविना। (भा) हवददद अजना

मय भवया। त्राग (भा) करुयं नासि
राजुभा सुख सम्यद ४॥ वाय ॥ वि
ददद ॥ ॥ नृज नन्दन्तु कूल या गि
न्या नन्दन्तु कूल ययुका। नन्दन्तु या
कूला चार्था यचा न्य कूल दीक्षिता

ददिन सुखिन ४ सलु सुखिन ४
 सलु ददुव ७। वसा दा तु सदानु
 लां चन ली जीव वान वी। सुविना
 (ग) रुव ददु अऊ नामय भव यी
 ना गसा करुय नासि नाऊया

सुखसम्यद॥ काय॥ विन्दुविय॥

१. उं मुं नं नीं मां च नीं उं निं वं पुं

द स्वा हा ॥ धा १ तष उ पा ना

न कं या थ स दि वा दय कं ॥

स ऊ ना स इ य ॥ मा च इ उ या

म
 य
 ७



ASHA ARCHIVES

શ્રીમદ્ ગણેશ મુર્તિ	
ASHA ARCHIVES	

ASHA ARCHIVES

ASHA ARCHIVES

1.175

ASHA ARCHIVES

ASHA ARCHIVES